

प्रश्न: हाल में वित्त संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने प्रतिस्पर्धा (संशोधन) विधेयक में विभिन्न बदलावों की सिफारिश की। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. इसमें सीसीआई की समय-सीमा को घटाकर 20 दिन करने का प्रस्ताव है।
2. इसने संयोजनों के अनुमोदन की समय-सीमा को 210 दिनों से घटाकर 150 दिन करने का प्रस्ताव किया है।
3. टाइमलाइन कम करने से कम स्टाफ वाले कमीशन को राहत मिलेगी।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

- a) 1 और 2
- b) 2 और 3
- c) 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- प्रतिस्पर्धा कानून (संशोधन) विधेयक, 2022 के तहत, जिसे 5 अगस्त को संसद में पेश किया गया था, कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सीसीआई के लिए एक मामले पर प्रथम दृष्टया राय बनाने के लिए वर्तमान समयसीमा को 30 दिनों से घटाकर 20 दिन करने का प्रस्ताव दिया है।
- इसने संयोजनों के अनुमोदन की समय-सीमा को 210 दिनों से घटाकर 150 दिन करने का प्रस्ताव किया है।
- इस संबंध में, समिति ने कहा कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और हितधारकों द्वारा आशंका जताई गई थी कि यह प्राधिकरण को एक कठिन और कठिन स्थिति में डाल देगा।
- समिति की राय है कि पहले से ही कर्मचारियों की कमी वाले आयोग के लिए समय-सीमा को कम करना बोझिल हो सकता है।

प्रश्न: हाल में प्रकाशित यूएनईपी रिपोर्ट 2022 के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वैश्विक जीएचजी उत्सर्जन को 2030 तक 35% तक कम किया जाना चाहिए।
2. 2021 में कुल वैश्विक GHG उत्सर्जन लगभग 53 GTCO<sub>2</sub>eq अनुमानित था।
3. भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

- a) 1 और 2
- b) 2 और 3
- c) 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

उत्तर: b

व्याख्या:

- हाल ही में यूएनईपी 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग को 1.5 डिग्री तक सीमित करने के लिए वैश्विक जीएचजी उत्सर्जन को 2030 तक 45% तक कम किया जाना चाहिए। 2021 में कुल वैश्विक GHG उत्सर्जन लगभग 53 GTCO<sub>2</sub>eq अनुमानित किया गया था।
- हाल ही में संपन्न सीओपी27 ने जीएचजी उत्सर्जन को कम करने की आवश्यकता को दोहराया। भारत ने 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का राष्ट्रीय लक्ष्य निर्धारित किया है।
- प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने नवंबर 2021 में COP26 ग्लासगो शिखर सम्मेलन में भारत की प्रतिज्ञा की घोषणा की।

प्रश्न: हाल में केरल सरकार ने राज्यपाल को राज्य के विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के पद से हटाने के लिए राज्य विधानसभा में विश्वविद्यालय कानून (संशोधन) विधेयक पेश किया है। निम्नलिखित कथन पर विचार करें:

1. विधेयक राज्यपाल का स्थान लेगा और सरकार को विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को नियुक्त करने की शक्ति प्रदान करेगा।
2. विधेयक में नियुक्त कुलाधिपति के कार्यकाल को पांच वर्ष तक सीमित करने का भी प्रावधान है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

- a) केवल 1
- b) केवल 2
- c) 1 और 2
- d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: c

व्याख्या:

- प्रस्तावित कानून केरल में विधायी अधिनियमों द्वारा स्थापित 14 विश्वविद्यालयों की विधियों में संशोधन करेगा और राज्यपाल को उन विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के पद से हटा देगा।
- विधेयक राज्यपाल का स्थान लेगा और सरकार को विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति के रूप में प्रतिष्ठित शिक्षाविदों को नियुक्त करने की शक्ति प्रदान करेगा, इस प्रकार विश्वविद्यालय प्रशासन में राज्यपाल की निगरानी की भूमिका समाप्त हो जाएगी।
- बिल में नियुक्त चांसलर के कार्यकाल को पांच वर्ष तक सीमित करने का भी प्रावधान है। हालांकि, इसमें यह भी कहा गया है कि सेवारत चांसलर को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नियुक्त किया जा सकता है।

प्रश्न: संलयन अभिक्रिया के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. प्रतिक्रिया तब होती है जब दो हल्के नाभिक मिलकर एक भारी नाभिक का निर्माण करते हैं।

2. उस एकल नाभिक का कुल द्रव्यमान दो मूल नाभिकों के द्रव्यमान से कम होता है।
3. वर्तमान प्रयास अधिक ऊर्जा जारी करने के लिए हाइड्रोजन आइसोटोप, ड्यूटेरियम और ट्रिटियम की एक जोड़ी के संलयन पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

- e) 1 और 2
- f) 2 और 3
- g) 1 और 3
- h) 1, 2 और 3

उत्तर: c

व्याख्या:

- प्रतिक्रिया तब होती है जब दो हल्के नाभिक मिलकर एक भारी नाभिक का निर्माण करते हैं।
- क्योंकि उस एकल नाभिक का कुल द्रव्यमान दो मूल नाभिकों के द्रव्यमान से कम होता है, शेष द्रव्यमान ऊर्जा है जो प्रक्रिया में जारी होती है।
- सूर्य के मामले में, इसकी तीव्र ऊष्मा और इसके गुरुत्वाकर्षण द्वारा डाला गया दबाव परमाणुओं को अनुमति देता है जो अन्यथा एक-दूसरे को फ्यूज करने के लिए पीछे हटाना चाहते हैं।
- वैज्ञानिक लंबे समय से समझ चुके हैं कि परमाणु संलयन कैसे काम करता है और वे 1930 के दशक से ही पृथ्वी पर इस प्रक्रिया की नकल करने की कोशिश कर रहे हैं।
- वर्तमान प्रयास हाइड्रोजन समस्थानिकों की एक जोड़ी के संलयन पर ध्यान केंद्रित करते हैं; ड्यूटेरियम और ट्रिटियम, जो कहते हैं कि विशेष संयोजन "अधिकांश संलयन प्रतिक्रियाओं की तुलना में बहुत अधिक ऊर्जा" जारी करता है और ऐसा करने के लिए कम ऊष्मा की आवश्यकता होती है।

प्रश्न: अरुणाचल प्रदेश में तवांग सेक्टर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यांग्त्से क्षेत्र इसी सेक्टर में पड़ता है।
2. यह क्षेत्र चीन के लिए सामरिक महत्व रखता है क्योंकि यह भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रणनीतिक प्रवेश प्रदान करता है।
3. तवांग के दक्षिण में महत्वपूर्ण बुम ला दर्रा है।

नीचे दिए गए कूट से सही विकल्प का चयन करें:

- a) 1 और 2

- b) 2 और 3
- c) 1 और 3
- d) 1, 2 और 3

उत्तर: a

व्याख्या:

- अरुणाचल प्रदेश में तवांग सेक्टर के यांगत्से क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों सेनाओं के सैनिकों के बीच हालिया झड़प के बाद एक बार फिर भारत और चीन के बीच तनाव चरम पर है।
- सांस्कृतिक पहलू के अलावा, तवांग चीन के लिए सामरिक महत्व भी रखता है। यह शहर भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में रणनीतिक प्रवेश प्रदान करता है।
- तवांग के उत्तर में महत्वपूर्ण बुम ला दर्रा है, जो भारत के तवांग जिले और चीनी कब्जे वाले तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र (टीएआर) के बीच एक सीमा पास है। संयोग से, 1962 में चीनी सैनिकों ने भारत पर आक्रमण करने के लिए इसी दर्रे का इस्तेमाल किया था।
- चीन ने हमेशा अरुणाचल प्रदेश को अपना दावा किया है और वहां भी उसकी एक रणनीति है। यदि भारत चीन पर हमला करना चाहता है, तो अरुणाचल भारत के लिए अपनी मिसाइलों को तैनात करने के लिए निकटतम स्थान होगा।